जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 356 प्रभात चूरू, गुरुवार 25 अप्रेल, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'फोन ट्रैपिंग के ऑडियो टेप मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिले थे, बल्कि खुद गहलोत ने दिये थे'

पूर्व मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा ने कहा कि, गहलोत ने मुझे एक पैन ड्राइव देकर ऑडियो वायरल करने व मीडिया में चलाने के लिए कहा था

- लोकेश शर्मा ने बुधवार को जयपुर में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस कर फोन टैपिंग, भ्रष्टाचार और पायलट व गजेन्द्र सिंह शेखावत को बदनाम करने की साजिशों का खुलासा किया।
- लोकेश शर्मा ने कहा कि, मुख्यमंत्री हाउस पर यही षड्यंत्र रचा जाता था कि, गजेंद्र सिंह और सचिन पायलट को किस तरह से नीचा दिखाया जाए। कैसे जनता के सामने उनकी छवि खराब की जाए। इसलिए संजीवनी से जुड़े लोगों को बुलाया जाता था। उनके वीडियो बनाकर लगातार चलाये जाते थे।
- शर्मा ने बताया, ''पायलट के साथ गये लोगों के फोन सर्विलांस पर थे और सभी को ट्रैक किया जा रहा था।''
- लोकेश शर्मा ने 25 सितम्बर 2002 के प्रकरण पर बताया कि, ''25 सितंबर को गहलोत ने मुझे कॉल किया और कहा कि, मीडिया में यह खबर चलवाओ कि, ये जो विधायक धारीवाल के घर पर एकत्र हैं, इनकी एक ही मांग है कि, हममें से किसी को भी मुख्यमंत्री बनवा दो, सचिन पायलट नहीं चलेगा।''

जयपुर, 24 अप्रेल (का.सं.)। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय हुए फोन टैपिंग मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा ने बुधवार को गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि ''फोन टैपिंग के ऑडियो टैप मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिले थे बल्कि अशोक गहलोत ने खुद मुझे पेन ड्राइव के जरिये ऑडियो क्लिप दी थी और वायरल करने को कहा था।'' लोकेश शर्मा ने इसके अलावा संजीवनी घोटाला, पेपर लीक, ग्रामीण और शहरी ओलंपिक, करोना में मेडिकल संसाधन खरीद में हुए भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए।

लोकेश शर्मा ने समूचे प्रकरण का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा, राजस्थान में साल 2020 में सियासी संकट के समय गहलोत सरकार पर फोन टैप करने के आरोप लगे थे। उस समय कुछ ऑडियो भी सामने आए थे। लोकेश शर्मा ने कहा कि 16 जुलाई

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़

श्रीनगर 24 अप्रैल (वार्ता) जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बुधवार को आतंकवादियों के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ में दो सैनिक घायल हो गए।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बांदीपोरा के अरागाम के रेन्जी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चल रहा है। आज तड़के सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई थी।

सूत्रों ने कहा, शुरुआती गोलीबारी में दो सैनिक घायल हो गए और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों को इलाके से फरार होने से रोकने के लिए हवाई निगरानी के लिए आज सुबह से हेलीकॉप्टर और ड्रोन को भी सेवा में लगाया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एजेंसियों की विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार को एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एजेंसियों द्वारा विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 21 अप्रैल से सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से सामान्य क्षेत्र मुलख्यमा वन, बांदीपुर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। बुधवार सुबह क्षेत्र की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान चलाया गया और सुरक्षा बलों तथा आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।

भारत सरकार की लोक शिकायत प्रणाली को राष्ट्रमंडल की सराहना

- राष्ट्रमंडल सचिवालय ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा लंदन में 22-24 अप्रैल तक आयोजित तीसरी द्विवार्षिक सम्पूर्ण राष्ट्रकुल देशों केलोक सेवा प्रमुखों/सचिवों की बैठक में एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया था।

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (वार्ता) भारत की केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) की दक्षता और उपयोगिता को राष्ट्रमंडल देशों के मंच पर सराहा गया है और कहा गया है कि भारत की प्रणाली विश्व की इस प्रकार की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं में एक है जिसका उपयोग अन्य देशों में भी किया जा सकता है।

राष्ट्रमंडल सचिवालय ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा लंदन में 22-24 अप्रैल तक आयोजित तीसरी द्विवार्षिक सम्पूर्ण राष्ट्रकुल देशों केलोक सेवा प्रमुखों/सचिवों की बैठक में एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया था। भारत की ओर से बैठक में बताया गया कि देश में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के लिए अगले 2 वर्षों में 128 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे लोक शिकायत प्रणाली में उन्नत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के साथ सीपीजीआरएएमएस वर्जन 8.0 को लागू किया जाएगा।

इस प्रणाली पर भारत की ओर से प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को प्रस्तुति दी। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रस्तुति को वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में राष्ट्रमंडल सदस्य देशों से सराहना मिली है।

भारत की प्रस्तुति में नागरिकों और सरकार के बीच अंतर को पाटने, नागरिकों को सशक्त बनाने और पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में उपयुक्त प्रौद्योगिकी की क्षमता को मान्यता, शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के चरणबद्ध सुधार से शिकायत निवारण की समयसीमा में आई कमी और प्रति माह 1.5 लाख से अधिक शिकायतों का निवारण करने में सफलता और आन लाइन पोर्टल पर 1.02 लाख शिकायत अधिकारियों की मैपिंग तथा स्मार्ट शिकायत निगरानी डैशबोर्ड और ट्री डैशबोर्ड में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस/मशीन लर्निंग प्रथाओं के उपयोग आदि पर प्रस्तुति दी गयी।

बयान के मुताबिक राष्ट्रमंडल की महासचिव, सुश्री पेट्रीसिया स्कॉटलैंड केसी ने कहा, सीपीजीआरएएमएस एक अत्याधुनिक शिकायत निवारण प्रणाली है और स्मार्ट सरकार का सर्वोत्तम अभ्यास है।

राष्ट्रमंडल के शेष 1.2 अरब नागरिक प्रौद्योगिकी मंच को अपनाने से लाभ उठा सकते हैं इसी तरह भारत के 1.4 अरब नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'सेवा वितरण में सुधार के लिए स्मार्ट सरकार का संस्थागतकरण' था। बैठक में राष्ट्रमंडल के लगभग 50 सदस्य देशों ने भाग लिया।

भाजपा के लिए केरल जीतना अभी भी मुश्किल

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। केरल में चुनाव प्रचार का आज पटाक्षेप हो गया। यहां की 20 लोकसभा सीटों पर आगामी 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। भाजपा लंबे समय से यहां जमने को प्रयासरत है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई बार केरल के दौरे किए ताकि भाजपा जीत सके। एक बार तो ऐसा लगा भाजपा को सफलता मिलेगी

- हालांकि, इस बार भाजपा ने केरल में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल की कई यात्राएं की हैं, फिर भी भाजपा की सफलता संदिग्ध ही है।

पर अब लगता है कि परिस्थितियां भाजपा के एकदम प्रतिकूल हैं।

सम्पूर्ण प्रदेश के चुनावी सर्वेक्षणों का संकेत यह है कि, इस बार भी केरल में भाजपा का खाता शून्य ही रहेगा। स्थानीय चुनाव सर्वेक्षणों के अलावा, प्रतिष्ठित मातृभूमि मीडिया ग्रुप का आकलन भी भगवा पार्टी को संदेहास्पद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सैम पित्रोदा ने फिर कांग्रेस के लिये बवाल खड़ा किया

पित्रोदा ने कहा, अमेरिका का ''विरासत कानून'' (इनहैरिटैंस लॉ) विचार करने योग्य व्यवस्था है, जिसके अनुसार मृत्यु के बाद व्यक्ति अपनी 45 प्रतिशत सम्पत्ति अपने उत्तराधिकारी को दे सकता है, बाकी 55 प्रतिशत सम्पत्ति सरकार को मिलती है

- प्र.मंत्री मोदी ने पित्रोदा व राहुल की ''इनहैरिटैंस लॉ'' की पैरवी पर तीखी टिप्पणी की कि, कांग्रेस पार्टी अपने कोष को भरना चाहती है और नये टैक्स लगाकर, और किसी भी व्यक्ति को अपने पसीने की कमाई को उसके वारिस तक पहुंचने में दिक्कतें पैदा करना चाहती है।
- प्र.मंत्री मोदी ने और तीखा कटाक्ष करते हुए यह भी कहा, ''कांग्रेस का मंत्र है, लूटो जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी।''
- कांग्रेस ने पित्रोदा की टिप्पणी से दूरी बनायी और राहुल ने भी यू-टर्न लिया और कहा, ''मैंने तो केवल सर्वे कराने की बात कही थी, अतिरिक्त सम्पत्ति वितरण की बात नहीं कही थी।''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। सैम पित्रोदा की इनहैरिटैंस लॉ (विरासत कानून) पर टिप्पणियों ने भाजपा नेताओं को उत्साहित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि, नए टैक्स लगाकर वो अपनी तिजोरी भरना चाहती है और यह भी नहीं चाहती कि, लोग अपनी गाढ़ी कमाई को अपने बच्चों के लिए छोड़कर जाएं।

कांग्रेस ने यद्यपि, पित्रोदा की टिप्पणियों से किनारा कर लिया है, वहीं, स्वयं राहुल गांधी ने ''सम्पत्ति सर्वे और पुनर्वितरण योजना'' पर यू-टर्न ले लिया प्रतीत होता है, यह कहते हुए कि, उन्होंने यह नहीं कहा था कि, अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह एक्शन लेगी। उन्होंने कहा, ''मैं केवल इतना कह रहा हूँ, हम यह पता करें कि कितना अन्याय हुआ है।'' पित्रोदा जो कि, इण्डियन ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि, उनके कथन को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और इसका कांग्रेस पार्टी या उसके घोषणा पत्र से कोई लेना-देना नहीं है। 81 वर्षीय पित्रोदा ने एक हालिया साक्षात्कार में कहा था कि, अमेरिका में विरासत कानून (इनहैरिटैंस लॉ) एक दिलचस्प कानून है, जिसके ऊपर वाद-विवाद और चर्चा की जा सकती है।

अमेरिका के विरासत कानूनों के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शाह ने टैक्स वाले बयान पर कांग्रेस पर बोला हमला

- केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब कांग्रेस की इस सोच को जनता के सामने उजागर किया कि कांग्रेस की टेढ़ी नजर अब लोगों की संपत्ति पर है तो राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी बैकफुट पर आ गई।

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (वार्ता) केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी के सलाहकार सैम पित्रोदा के कांग्रेस पार्टी की 'विरासत टैक्स वाले बयान पर आज कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की खतरनाक साजिश बहुसंख्यकों की संपत्ति को जब्त करने और इसे अल्पसंख्यकों के बीच वितरित करने की है।

शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गाँधी और सैम पित्रोदा पर जम कर निशाना साधा और कहा कि सैम पित्रोदा की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो गई है। उन्होंने कहा कि धन पुनर्वितरण पर सैम पित्रोदा के बयान से आज कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति उजागर हो गई है। उन्होंने बहुसंख्यकों की संपत्ति को जब्त करने और इसे अल्पसंख्यकों के बीच वितरित करने के कांग्रेस पार्टी के इरादे की एक तरह से पुष्टि कर दी है। यह एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि भारत के गरीबों, दलितों, युवाओं, जनजातियों और पिछड़े वर्गों का सशक्तिकरण कभी भी कांग्रेस के एजेंडे में नहीं था।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि सैम पित्रोदा की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी के चेहरे से पूरी तरह नकाब उतर गया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले कांग्रेस के घोषणा पत्र में सर्वे का जिक्र किया गया। डा. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए बयान दिया था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। ऐसा विचार ही कांग्रेस की विरासत रही है। अब सैम पित्रोदा ने अमेरिका का हवाला देते हुए टिप्पणी की है कि धन के बंटवारे पर विचार-विमर्श होना चाहिए और विरासत टैक्स पर बात होनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब कांग्रेस की इस सोच को जनता के सामने उजागर किया कि कांग्रेस की टेढ़ी नजर अब लोगों की संपत्ति पर है तो राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी बैकफुट पर आ गई। कांग्रेस के नेता कहने लगे कि ये उनका मकसद नहीं था लेकिन आज सैम पित्रोदा के बयान ने देश के सामने कांग्रेस का मकसद साफ और स्पष्ट कर दिया है कि वो देश की जनता की निजी संपत्ति का सर्वेक्षण कर उसे सरकारी खजाने में डालना चाहते हैं।

शाह ने कहा कि कांग्रेस की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासनकाल के दौरान कांग्रेस ने अपनी प्राथमिकता तय की थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और मुस्लिम लोगों का है। इसी निर्णय के अनुसार कांग्रेस आम लोगों की संपत्तियों को वितरित करना चाहती है। कांग्रेस को या तो इसे अपने घोषणापत्र से वापस लेना चाहिए या वह स्वीकार करे कि वास्तव में यही उनका इरादा है।

गृह मंत्री ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि देश की जनता सैम पित्रोदा के बयान को गंभीरता से ले। कांग्रेस की असली मंशा अब सामने आ गई है, इसका संज्ञान लोगों को लेना चाहिए। कांग्रेस के मन में छिपी हुई मंशा अब बेनकाब हो चुकी है। अगर कांग्रेस यह नहीं करना चाहती है, तो उन्हें अपने घोषणा पत्र से इसे वापस लेना चाहिए।

कश्मीर में 15 मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ा, भेजा जेल

श्रीनगर, 24 अप्रैल (वार्ता) कश्मीर घाटी में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल 15 तस्करों पर स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम में अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटी एनडीपीएस) के तहत पकड़ा है।

पुलिस ने दस तस्करों की पहचान सलामाबाद के बशरत अहमद रैना, बांदी के चंगेज़ खान और उरी में परानपीलन के सैयद मेहताब हुसैन, लचीपोरा बिझामा के मंजूर अहमद लोन उर्फ मुन्ना, मदियान कमलकोटे के नजर दीन भट्टी, नूरखाह के इमरान अहमद खान, लवायपोरा एचएमटी के आशिक हुसैन पर्रे उर्फ इलाही, मालपोरा सोपोर के अल्ताफ अहमद मीर, वाटरगाम वागूरा के अमीर सुभान मल्ला और चानपोरा के साहिल अहमद रेशी कुन्जर के तौर पर की है। पुलिस ने बारामूला जिले में पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा अन्य पांच अन्य तस्करों में वानपोरा खुदवानी के मोहम्मद उर्फ रमजान शेख उर्फ रम्म शेख, ब्रेज़लू जागीर के आरिफ अहमद भट, मांचेवा यारीपोरा के फिरदौस अहमद शेख, ब्राज़लू जागीर के शाहिद अहमद भट और मालवान देवसर के हिलाल अहमद डार के खिलाफ दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में मामला दर्ज किया गया था।

अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव व भगवत गीता

जॉन.एफ. कैनेडी के भतीजे व रॉबर्ट कैनेडी के पुत्र रॉबर्ट कैनेडी जूनियर ने एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति के चुनाव का पर्चा भरा है

- अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव आम तौर पर दो बड़ी पार्टियों, रिपब्लिकन व डैमोक्रेटिक पार्टी तक सीमित रहता है और निर्दलीय उम्मीदवार का कोई महत्व नहीं रहता।
- कैनेडी परिवार प्रारंभ से ही डैमोक्रेटिक पार्टी का समर्थक रहा है, अतः रॉबर्ट कैनेडी जूनियर (आर.के.एफ.) का डैमोक्रेटिक पार्टी, चुनाव लड़ना काफी अटपटी बात है। परिवार को भी यह इतना अरूचिकर लगा कि, उसने इस मुद्दे पर आर.के.एफ. से नाता तोड़ लिया।
- द इकॉनामिस्ट को इन्टरव्यू में आर.के.एफ. ने कहा, अपने परिवार के खिलाफ चाचा, ताऊ, भाइयों के खिलाफ चुनाव लड़ने की प्रेरणा, उन्हें भगवत गीता व अर्जुन से मिली है। जैसा श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया था, उसे अपने प्रियजनों के खिलाफ लड़ने में कोई ग्लानि नहीं होगी, क्योंकि यह उसका धर्म है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। रॉबर्ट जे. ऑपनहाइमर भगवद् गीता से प्रेरित थे, टी.एस. एलियट इसके श्लोकों से मंत्रमुग्ध थे, और अब वाइट हाउस की आकांक्षा रखने वाले एक निर्दलीय उम्मीदवार ने खुलासा किया है कि वह भी भगवद् गीता से प्रेरित होकर अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव मैदान में उतारने का करने को कृतसंकल्पित है।

अमेरिका के प्रसिद्ध राष्ट्रपति रहे जॉन एफ. कैनेडी के भतीजे एवं रॉबर्ट कैनेडी, सीनियर के पुत्र रॉबर्ट एफ. कैनेडी ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए निर्दलीय तौर पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पहले डैमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन लेने की कोशिश की थी, लेकिन वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की राह आसान करने के लिए उन्हें रोक दिया गया था।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, रॉबर्ट कैनेडी जूनियर राजनीतिक रुप से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मोदी ने मंगलसूत्र तथा दाम्पत्य की गरिमा को गिराया : कांग्रेस

'मोदी जी, आपको भले ही सिंदूर और मंगलसूत्र का महत्व नहीं पता लेकिन इस देश के लोग इसका महत्व बखूबी जानते हैं

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (वार्ता)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगल सूत्र संबंधी बयान को लेकर आज उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्होंने न सिर्फ मंगल सूत्र का महत्व कम किया बल्कि दाम्पत्य की गरिमा को भी गिराया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी ने कांग्रेस के सत्ता में आने पर महिलाओं के मंगलसूत्र बेचने को लेकर जो बयान दिया है उससे उन्होंने, न दांपत्य के सूत्र की गरिमा रखी और, न मंगलसूत्र का महत्व रखा। उन्होंने कहा ''मोदी जी, आपको भले ही सिंदूर और मंगलसूत्र का महत्व नहीं पता लेकिन इस देश के लोग इसका महत्व बखूबी जानते हैं। मंगलसूत्र दांपत्य जीवन का पावन और पवित्र प्रतीक है जो करोड़ों ब्याहताएं पहनती हैं और सारा जीवन उसे निभाती हैं।''प्रवक्ता ने कहा ''मोदी जी, आपने गरीबों का कुछ भला नहीं किया। आपने गरीबों को कोविड में चिलचिलाती धूप में पैदल चलने को मजबूर किया। कोविड में गरीबों को दवाई और ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटकाया। गरीबों को हवाई जहाज में बैठने का झूठा सपना दिखाया। मोनोपॉली बनाई और छोटे लघु उद्यम बंद करा दिए। आपने नोटबंदी कर गरीबों को लाइन में खड़ा किया, जहां उनकी मौत हुई।''

उन्होंने कहा ''आपने गरीबों के अधिकार छीने। मोदी और भाजपा जातिगत जनगणना के खिलाफ हैं या उसका समर्थन करते हैं। इस सवाल का हां या ना में जवाब देना पड़ेगा। क्यों आप लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं देना चाहते। मोदी और भाजपा जातिगत जनगणना के खिलाफ हैं या उसका समर्थन करते हैं। इस सवाल का हां या ना में जवाब देना पड़ेगा। क्यों आप लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं देना चाहते।

मोदी ने इन 10 वर्षों में दो भारत बनाए हैं। एक भारत- जहां सब्जीवाला महंगाई के कारण रोते हुए कहता है, मेरी गुजर नहीं हो रही।

जी-20 में गरीबी छिपाने के लिए पर्दा डाल दिया जाता है। जहां छोटी बच्ची कहती है, मेरा रोने का मन होता है लेकिन रो नहीं सकती, नहीं तो छोटे भाई-बहनों का क्या होगा। दूसरा भारत- जहां चकाचौंध है, जो मोदी पर फिदा है, मोदी का वंदन करता है।''

उन्होंने कहा ''मोदी जी को कांग्रेस के मेनिफेस्टो से बड़ी समस्या है।लेकिन मैं आपको थैंक्यू बोलना चाहूंगी, क्योंकि आपके झूठ और दुष्प्रचार ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को घर-घर तक पहुंचा दिया है। मोदी को हमारे मेनिफेस्टो में जातिगत जनगणना की बात से बड़ा दर्द हो रहा है। आर्थिक और सामाजिक गणना से तकलीफ हो रही है इसलिए आज मैं नरेंद्र मोदी जी से पूछना चाहती हूं। क्या गरीबों की बात करना गलत है। गरीबों की भलाई से आपको क्या दिक्कत है।''

कांग्रेस नेता ने कहा ''चुनाव आया तो हमें लगा कि बड़े-बड़े मुद्दों पर बातें होंगी, भयावह बेरोजगारी और महंगाई पर चर्चा होगी लेकिन सारे मुद्दे धरे रह गए, इस देश के प्रधानमंत्री ने वही स्क्रिप्ट उठाई जो वे 2002 से पढ़ रहे हैं।